राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियन बालक गोपाल समेत चार की नदी में डूबने से मौत

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में हादसा ● कटिहार के उभरते खिलाड़ी ने हाल ही में जीता था स्वर्ण पदक ● एक ही परिवार के दो बेटों की मौत से मचा कोहराम

कटिहार (ग्रामीण) आससे। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में रेन नदी में नहाने के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में कटिहार के राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी गोपाल कृष्ण (13) समेत एक ही परिवार से जुड़े चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में हाजीपुर निवासी विवेक सिंह, उनके पुत्र अभिजीत सिंह और कटिहार निवासी सागर सिंह उर्फ सेट्ठी सिंह के दो पुत्र गोपाल कृष्ण व कृष्ण गोपाल (14) शामिल हैं। हादसे में तीन बच्चों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन करने वाले गोपाल की मौत से कटिहार के खेल जगत में शोक की लहर है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, सागर सिंह उर्फ सेट्ठी सिंह के परिवार के कुछ सदस्य छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में रहते हैं। दशहरा की छुट्टी के दौरान उनके दोनों बेटे वहां गए हुए थे। इसी बीच रिश्तेदार विवेक सिंह अपने पुत्र अभिजीत सिंह और सागर सिंह के दोनों बेटों के साथ रेन नदी में नहाने गए थे। स्नान के दौरान चारों गहरे पानी में डूब गए। इस हादसे में किसी की जान नहीं बच सकी। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।





इस हादसे में सागर सिंह के दोनों बेटों की मौत ने परिवार को पूरी तरह झकझोर दिया है। एक साथ दो बच्चों को खोने का दर्द परिजनों के लिए असहनीय बना हुआ है। सागर सिंह के भाई नागेंद्र कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में कुल चार लोगों की जान गई है। छत्तीसगढ़ में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद चारों के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए बनारस ले जाया जा रहा है। घटना के बाद से रिश्तेदारों और परिचितों के बीच शोक का माहौल है।

हादसे में जान गंवाने वाले गोपाल कृष्ण ताइक्वांडो के होनहार राष्ट्रीय खिलाड़ी थे। उन्होंने हाल ही में इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई थी। उनकी उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों और परिवार को काफी उम्मीदें थीं। माना जा रहा था कि गोपाल आने वाले समय में खेल के क्षेत्र में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे।

कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले गोपाल का असमय निधन कटिहार के खेल जगत के लिए बड़ी क्षति है। जिस खिलाड़ी से भविष्य में देश और जिले का नाम रोशन करने की उम्मीद थी, उसकी मौत की खबर से खेल प्रेमी मर्माहत हैं। एक ओर परिवार अपने चार प्रियजनों को खोने के गहरे सदमे से गुजर रहा है, वहीं दूसरी ओर कटिहार ने अपना एक होनहार खिलाड़ी भी खो दिया है। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर पैदा कर दी है।

दियारा में पुलिस का फ्लैग मार्च किसानों में बढ़ा सुरक्षा का भरोसा

कुरसेला (कटिहार) आससे। दियारा क्षेत्र में किसानों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और फसल नुकसान की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रविवार को थाना पुलिस ने मलिनिया, मधेली, लतरा और खर्रा दियारा में फ्लैग मार्च किया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश दिया।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने और आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने पर जोर दिया। पुलिस की इस पहल से दियारा क्षेत्र के किसानों में उत्साह और सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। वहीं, अपराधियों और असामाजिक तत्वों में पुलिस कार्रवाई को लेकर भय का माहौल बना है।



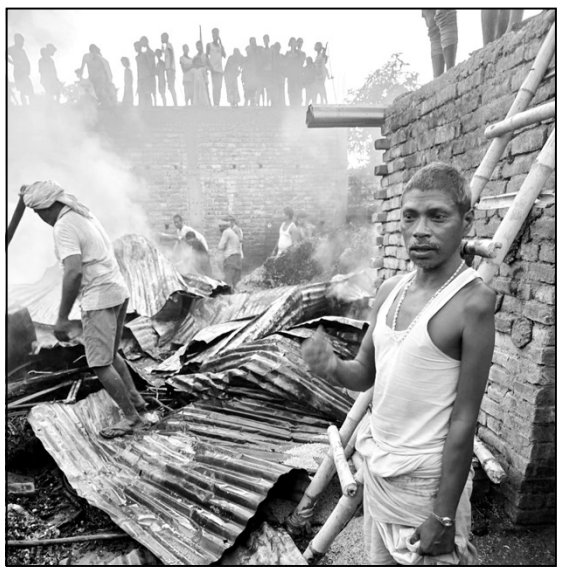
थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने स्पष्ट किया कि दियारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार निगरानी रखेगी। अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए आगे भी इस तरह का अभियान जारी रहेगा।

फ्लैग मार्च में पुलिस पदाधिकारी नवीन कुमार, बमबम चौधरी, रवि कुमार सहित पुलिस के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

चूल्हे की चिंगारी से लगी आग छह परिवारों का घर क्षतिग्रस्त

कुरसेला (कटिहार) आससे। कुरसेला प्रखंड की जरलाही पंचायत के मधेली गांव के वार्ड संख्या सात में शनिवार शाम भीषण अगलगी में छह परिवारों के घर क्षतिग्रस्त हो गए। आग लगने के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने आसपास के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, ग्रामीणों और दमकल कर्मियों के प्रयास से आग पर काबू पाया गया।

ग्रामीणों के अनुसार, घर में खाना बनाने के दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी से आग लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।



घटना की सूचना मिलने पर मुखिया प्रतिनिधि शंकर चौधरी, ग्रामीण गजेंद्र रजक सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। वहीं, दमकल कर्मी लल्लू कुमार और नीतू कुमारी की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

छह परिवारों के घर हुए क्षतिग्रस्त।

अगलगी में गुजार मंडल, पिता स्वर्गीय गरीब मंडल; अवधेश मंडल, साजन मंडल और पंचलाल मंडल, तीनों पिता गुजाय मंडल; माखन मंडल, पिता स्वर्गीय गैना मंडल तथा पवन मंडल, पिता माखन मंडल के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। सभी प्रभावित परिवार मधेली गांव के निवासी हैं।

घटना के बाद प्रभावित परिवारों के सामने रहने और घरेलू सामान की व्यवस्था करने की समस्या खड़ी हो गई है।

मुखिया प्रतिनिधि और ग्रामीणों ने प्रशासन से अगलगी में हुए नुकसान का आकलन कराकर पीड़ित परिवारों को उचित सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

जैश-ए-मोहम्मद से कथित जुड़ाव के शक में किशनगंज का युवक गिरफ्तार

मोबाइल से भड़काऊ पोस्ट और मसूद अजहर से जुड़ी ऑडियो क्लिप मिलने का दावा, परिवार ने बताया निर्दोष

किशनगंज (आससे)। प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित जुड़ाव के संदेह में मुंबई एटीएस द्वारा किशनगंज के एक युवक की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियों की जांच तेज हो गई है। गिरफ्तार युवक की पहचान मोहम्मद हसन अबू समद अख्तर के रूप में हुई है। वह किशनगंज जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र की भोलमारा पंचायत अंतर्गत भंकरद्वारी गांव का निवासी बताया जाता है। मुंबई के माहिम इलाके से बीते शुक्रवार को उसकी गिरफ्तारी के बाद अब जांच एजेंसियां उसके मोबाइल फोन, सोशल मीडिया गतिविधियों, टेलीग्राम ग्रुप और संभावित संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। हालांकि, फिलहाल प्रतिबंधित आतंकी संगठन से उसके संबंधों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले में जांच जारी है।

मुंबई एटीएस की कालाचौकी यूनिट ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196(1) के तहत मामला दर्ज किया है। अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी के मोबाइल फोन से कथित तौर पर भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद के संस्थापक मसूद अजहर से संबंधित ऑडियो क्लिप मिलने की बात सामने आई है। पुलिस का आरोप है कि युवक सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित संगठन के समर्थन में सामग्री साझा करता था। अब जांच का मुख्य केंद्र यह पता लगाना है कि संबंधित सामग्री केवल ऑनलाइन गतिविधियों तक सीमित थी या इसके पीछे किसी संगठित नेटवर्क अथवा अन्य संदिग्ध संपर्कों की भूमिका भी थी।



जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार युवक पिछले करीब दस वर्षों से मुंबई में रह रहा था। माहिम इलाके में वह परफ्यूम बेचने का काम करता था और रैपिडो चालक के रूप में भी काम करता था। परिवार के मुताबिक, छह भाइयों में शामिल मोहम्मद हसन अबू समद पहले अपने बड़े भाई के साथ दिल्ली में रहता था। पढ़ाई को लेकर बड़े भाई की डांट के बाद वह मुंबई चला गया था। वहां उसके दो चचेरे भाई भी रहते हैं और वह परफ्यूम की दुकान चलाकर अपना जीवनयापन करता था।

युवक की गिरफ्तारी के बाद परिवार ने उसे गलत तरीके से फंसाए जाने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि उसे बेवजह मामले में घसीटा जा रहा है। हालांकि, परिवार के दावे और पुलिस के आरोपों के बीच वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगी।

एटीएस इस पहलू की भी पड़ताल कर रही है कि आरोपी का किसी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी या कथित एजेंटों से कोई संपर्क था या नहीं। इसके लिए उसके डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन गतिविधियों, सोशल मीडिया संवाद और संदिग्ध संपर्कों की जांच की जा रही है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर किसी पाकिस्तानी एजेंसी या उसके एजेंटों से संबंध होने का ठोस प्रमाण सामने आने की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में इस आशंका को फिलहाल जांच का विषय ही माना जाना चाहिए, न कि स्थापित तथ्य।

मुंबई एटीएस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा धर्म, भाषा, जन्मस्थान, निवास तथा अन्य निर्धारित आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देने और सद्भाव बिगाड़ने से संबंधित अपराधों से जुड़ी है। इस मामले में संबंधित प्रावधान किस आधार पर लगाया गया है और कथित सोशल मीडिया सामग्री की वास्तविक प्रकृति क्या है, यह जांच और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान स्पष्ट होगा।

किशनगंज के सीमावर्ती क्षेत्र से जुड़े इस मामले ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान खींचा है। अब सबकी नजर जांच के नतीजों पर है। डिजिटल साक्ष्यों, कथित ऑनलाइन गतिविधियों और संभावित संपर्कों की पड़ताल से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपी की भूमिका क्या थी। फिलहाल, आरोपों को सिद्ध तथ्य मानना उचित नहीं होगा और आरोपी की दोषसिद्धि का निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के तहत ही होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदायें आमंत्रित करते हैं:-

क्र. सं.: 1, **निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-40-26-27, कार्य का नाम :** माघ मेला-2027 के दौरान आपातकालीन बिजली आपूर्ति बैकअप के लिए प्रयागराज रामबाग एवं झूंसी स्टेशनों में डीजी सेट किराए पर लेना, **अनुमानित लागत :** रु. 11,79,360.00, **अमानत राशि :** रु.23,600.00, **कार्य समापन का समय :** 45 दिन, **निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे। क्र. सं. : 2, **निविदा सूचना संख्या : ई-निविदा-एल-41-26-27, कार्य का नाम :** माघ मेला 2027 में प्रयागराज रामबाग एवं झूंसी स्टेशनों में किराए के आधार पर प्रकाश व्यवस्था का प्रावधान, **अनुमानित लागत :** रु. 18,98,710.00, **अमानत राशि :** रु. 38,000.00, **कार्य समापन का समय :** 55 दिन, **निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे। क्र. सं. : 3, **निविदा सूचना संख्या : ई-निविदा-एल-42-26-27, कार्य का नाम :** प्रयागराज रामबाग एवं झूंसी स्टेशनों में माघ मेला 2027 से संबंधित विद्युत कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 18,52,989.24, **अमानत राशि :** रु.37,100.00, **कार्य समापन का समय :** 30 दिन, **निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे।

उपरोक्त ई-निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जायें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य
मुजाधि/विद्युत-239 पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

शिलानाथ रूपौली में शरद पूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित

बनमनखी पूर्णिया (आससे)। जानकीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रूपौली दक्षिण पंचायत स्थित माता रूपेश्वरी भगवती मंदिर प्रांगण में रविवार की संध्या शरद पूर्णिमा पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सायंकाल में रूपेश्वरी प्रभात शाखा के मुख्य शिक्षक खगेन्द्र झा द्वारा शाखा लगाया गया । विभिन्न प्रकार के खेल गतिविधियों के पश्चात दुर्गा नंद सिंहने अपने बौद्धिक में कहा कि शरद पूर्णिमा हिंदू धर्म का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है।

इस रात चंद्रमा अपनी संपूर्ण 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और पृथ्वी के सबसे करीब होता है। उन्होंने जानकारी दी कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस रात चंद्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है।इस रात दूध, चावल और मेवों से बनी खीर को खुले आसमान के नीचे चाँद की रोशनी में रखने की परंपरा है। माना जाता है कि इसमें चंद्रमा की अमृतमयी किरणें पड़ने से यह औषधीय गुणों से भरपूर हो जाती है। मुख्य शिक्षक खगेन्द्र झा ने उपस्थित स्वयंसेवकों को इसके महत्व के बारे में बताया कि पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान शरद पूर्णिमा के दिन ही मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था। ऐसा भी माना जाता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं। खुले आसमान के नीचे रखी गई अमृतमयी खीर का सभी स्वयंसेवकों एवं स्थानीय गणमान्य लोगों ने रसास्वादन किया। आयोजन को सफल बनाने में शिश्न झा,दिलचंद मंडल, अनिल मंडल, रणवीर सिंह,गुड्डू साह,अनिकेत कुमार सिंह,विवेक कुमार,सहित दर्जनों स्वयंसेवक तत्पर दिखे।

काली मंदिर रामनगर में काली पूजा की तैयारी शुरू



बनमनखी पूर्णिया (आससे)। नगर पंचायत जानकीनगर अन्तर्गत मां काली मंदिर रामनगर में आगामी 9 एवं 10 नवम्बर को काली पूजा को लेकर पूजा कमिटी और आमलोगों की बैठक आयोजित किया गया. जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि दिपावली के अगले दिन दो दिनों भक्ति जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.तथा पार्किंग की समुचित व्यवस्था किया जाएगा.साफ- सफाई की समुचित व्यवस्था किया जाएगा.तथा पूजा-अर्चना के लिए आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं होगा।

इस मौके पर अध्यक्ष मनोज कुमार प्रभाकर, उपाध्यक्ष शेखर झा, कोषाध्यक्ष अमित ठाकुर,मनोहर झा, वार्ड पार्षद संतोष कुमार मंडल, मिथिलेश झा, राजेश स्वर्णकार,शिक्षक असीम मुड्डखर्जी,मंटू झा, विपिन पौदार, पंडित सुनील कुमार झा, वार्ड पार्षद विजय कुमार रौशन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
बिहार सरकार

कार्यालय :– वन संरक्षक, पटना अंचल, पटना

अरण्य भवन, द्वितीय तल, शहीद पीर अली खाँ
मार्ग (राईडिंग रोड) पटना– 800014

आम सूचना

श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल, बाढ़ एवं अतिरिक्त प्रभार मोकामा वन परिसर द्वारा कर्त्तव्य के प्रति घोर लापरवाही तथा अनाधिकृत रूप से अपने कार्य क्षेत्र एवं मुख्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने एवं बाढ़ एवं अतिरिक्त प्रभार मोकामा वन परिसर का प्रभार ग्रहण नहीं करने के कारण वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल, पटना द्वारा स्पष्टीकरण किया गया है।

वनपाल द्वारा प्रभार नहीं लेना तथा संतोषजनक जबाब नहीं देने के फलस्वरूप में वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल, पटना के पत्रांक–2648 दिनांक–03.08.2026 द्वारा वनपाल श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, को निलंबित करने की अनुशंसा के साथ विभागीय कार्यवाही का प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में मुख्य वन संरक्षक, पटना अंचल, पटना के कार्यालय के आदेश संख्या–26 –सह–पठित ज्ञाप संख्या–2620 दिनांक–22.08.2026 द्वारा श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल को निलंबित करते हुए पटना वन प्रमंडल, पटना के कार्यालय में मुख्यालय निर्धारित किया गया था तथा इसकी प्रति को श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल को हस्तगत कराने हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल को निदेशित किया गया है। वनपाल कर्त्तव्य अवधि में लागातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना द्वारा स्पीड पोस्ट के माध्यम से निलंबित वनपाल के स्थायी पते पर भेजी गयी। India Speed Post Tracking System के अनुसार संबंधित पत्र उनके पता पर दिनांक–05.09.2026 को Delivered दिखाया गया, किन्तु दिनांक–14.09.2026 को उक्त पत्र प्रमंडलीय कार्यालय पटना वन प्रमंडल को Speed Post के माध्यम से वापस आ गया, जिसमें लिखा हुआ है कि "ये आदमी सासाराम रहते हैं।"

मुख्य वन संरक्षक, पटना अंचल, पटना के कार्यालय के आदेश संख्या–31–सह–पठित ज्ञाप संख्या–2969 दिनांक–18.09.2026 तथा द्वारा आदेश संख्या–32 –सह–पठित ज्ञाप संख्या–2970 दिनांक–18.09.2026 द्वारा विरूद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त आदेश की प्रति (साक्ष्य एवं सभी अभिलेख के साथ) को श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल को हस्तगत कराने हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल को निदेशित किया गया है। प्रमंडल के पत्रांक–3784 दिनांक–12.10.2026 द्वारा सूचना दी गयी है कि स्पीड पोस्ट के माध्यम से निलंबित वनपाल के स्थायी पते पर भेजी गयी। संबंधित पत्र उनके पता पर दिनांक–29.09.2026 को Delivered दिखाया गया, परन्तु दिनांक–03.10.2026 को उक्त पत्र प्रमंडलीय कार्यालय पटना वन प्रमंडल को Speed Post के माध्यम से वापस आ गया।

साथ ही वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल, पटना द्वारा विशेषदूत के माध्यम से भी निलंबित वनपाल के स्थायी पता पर भेजा गया तथा उनके मुख्य द्वार पर पत्र को चिपका दिया गया है तत्पश्चात् प्रमंडलीय कार्यालय पटना द्वारा निलंबित वनपाल को पत्र हस्तगत कराने एवं अपना पक्ष रखने तथा संबंधी सूचना स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से भी सूचना प्रकाशित किया गया है।

श्री अरविन्द कुमार सिंहा, निलंबित वनपाल, पिता–स्व० योगेन्द्र कुमार सिन्हा, पता–ग्राम+पोस्ट–गच्छई, थाना–काराकट (गोरारी), जिला–रोहतास (सासाराम), पिन कोड–821311 को आम सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि आपको प्रकाशन तिथि से 07 दिनों के अंदर निर्धारित मुख्यालय में उपस्थित होकर वस्तुस्थिति के प्रतिवेदन यथाशीघ्र समर्पित करने का अंतिम अवसर दिया जाता है कि क्यों नहीं आपके विरूद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई/ सेवा समाप्ति का कार्यवाही शुरू किया जाय। निर्धारित अवधि के भीतर उपस्थित न होने अथवा विभागीय कार्यवाही के संचालन में शामिल नहीं होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि आपको इस संबंध में कुछ नहीं कहना है आप स्वेच्छा से सेवा से अनुपस्थित है। इसके पश्चात् विभाग के नियमानुसार एकपक्षीय विधिसम्वत् अनुशासनिक कार्रवाई (ex-parte legal and disciplinary action) करने के लिए स्वतंत्र होगा।

मुख्य वन संरक्षक
पटना अंचल, पटना

PR. No. 014324(Envi. & Forest) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

कला प्राध्यापक डॉ. ध्रुव कुमार को नयी दिल्ली में मिला मानद डॉक्टरेट सम्मान

पूर्णिया (आससे)। पूर्णिया के मिल्लिया फखरूद्दीन अली अहमद बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के ललित कला विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. ध्रुव कुमार को नई दिल्ली के मेपल गोल्ड बैंक्वेट, डी मॉल में 'प्रतिष्ठित शांति पुरस्कार परिषद' (पीपीएसी-2026) द्वारा आयोजित भव्य समारोह में %मानद डॉक्टरेट उपाधि% (ऑनेरी डॉक्टरेट अवॉर्ड) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें कला और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 24 अक्टूबर 2026 को प्रदान किया गया।

इस पुरस्कार समारोह में तिब्बती निर्वासित संसद के पूर्व उपाध्यक्ष एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के वरिष्ठ सलाहकार आचार्य एशिया फुन्सुक, पीपीएसी की अध्यक्ष सौरभ वशिष्ठ,



भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सेवानिवृत्त कमांडेंट ओमप्रकाश यादव, अनुपयती आश्रम वृंदावन के महंत प्रशांत गिरी जी महाराज और लोकसभा के पूर्व सदस्य महाबल मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मूल रूप से बिहार के खगड़िया जिले के महदा बन्नी गांव के निवासी डॉ. ध्रुव कुमार ने कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना से बी.एफ.ए. (पेंटिंग) और बी.ए.एम.यू. महाराष्ट्र से एम.एफ.ए. (पेंटिंग) की डिग्री प्राप्त की है। इससे पूर्व उन्होंने सुप्रसिद्ध आवासीय विद्यालय %विद्या विहार% में भी ललित कला शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। वर्तमान में वे पिछले दस वर्षों से पूर्णिया स्थित मिल्लिया फखरूद्दीन अली अहमद बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में ललित कला के सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। उनके बड़े भाई रवि कुमार, जो कि मध्य विद्यालय गढ़िया में प्रधानाध्यापक हैं, ने उन्हें हमेशा कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. ध्रुव कुमार की कलाकृतियों की प्रदर्शनियां देश ही नहीं बल्कि विदेशों की कई चर्चित आर्ट गैलरियों में लग चुकी हैं। देश में ललित कला अकादमी (पटना), बिड़ला अकादमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर (कोलकाता), संस्कार भारती आर्ट गैलरी (नई दिल्ली), सिमरोजा आर्ट गैलरी (मुंबई) और लोकायता आर्ट गैलरी (नई दिल्ली) के साथ-साथ नेपाल कला परिषद (काठमांडू), केंद्र आर्ट स्पेस (बाली, इंडोनेशिया), दुबई की 76 आर्ट गैलरी और क्यूराडो आर्ट स्पेस (श्रीलंका) में भी उनके चित्रों को प्रदर्शित किया जा चुका है, जिसके लिए उन्हें कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी इस उपलब्धि पर मिल्लिया एजुकेशनल ट्रस्ट के निदेशक डॉ. असद इमाम, सह-निदेशक ई. आदिल इमाम, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शहवाज़ रिजवी सहित पूरे मिल्लिया परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।